75	विष्वविष्वविद्या मनासिके ॥ ४५० ॥ । विष्वविष्वविद्या मनासिके ॥ ४५० ॥ । विष्वविष्वविद्या	
76	नतनासिके ज्वनारा ज्वरीरा ज्वभरा जिप च।	28
77	वर्णास्तु खर्णासा निधाम निधाम	65
78	नः तुद्रः तुद्रनासिकः ॥ ४५१ ॥	
79	बुरणाः स्यात्षुरणसाना	
80	ा उद्गसस्तूयनासिकः।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।	20
81	पङ्गः श्रोणः निर्माणकाणकेगकः	
82	बलितिस्तु बल्वार ऐन्द्रलुप्तिकः ॥ ४५२ ॥	49
83	शिपिविष्टे। बभु-	
84	र्थ काणः कनन एकदक्।	
85	पृश्चिर्त्पतना । ।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।	29
86	कुन्ते गडुलः ॥भागने ॥	
87	॥ अधा ॥ विन्न विनाम कुकरे कृष्णिः ॥ ४५३ ॥	
88	निखर्बः खर्नः खर्बः खर्बशाखश्च वामनः ।	
89	म्रकर्ण एडो बधिरो	71
90	इश्चर्मा तु द्विनग्रकः ॥ ४५४ ॥ ॥ ।	27
91	चएउश्च शिपिविष्ठश्च निष्ठानिक निष्ठा	
92	बोडबोरी तु बञ्जके। जिरोडेण्डर	17
	THE PERSON OF TH	

75. Ohne Nase (3 W.). — 76. Stumpfnasig (3 W.). — 77. Spitznasig (2 W.). — 78. Kleinnasig. — 79. Hufnasig (2 W.). — 80. Mit aufgeworfener Nase. — 81. Krüppel (2 W.). — 82. 83. Kahlköpfig (5 W.). — 84. Einäugig (3 W.). — 85. Klein von Wuchs (2 W.). — 86. Krumm, bucklig (2 W.). — 87. Der einen verkrüppelten Arm hat (2 W.). — 88. Zwerg (5 W.). — 89. Taub (3 W.). — 90. 91. Der keine Vorhaut hat (4 W.). — 92. Lahm (3 W.).